पाठ 6. तितली

पाठ का परिचय

इस कविता में बच्चा तितली का साथ पाना चाहता है इसलिए उससे कहता है कि फूलों से भी सुंदर तितली, तुम इतना इतराती क्यों हो? मैं तुम्हें कब से बुला रहा हूँ लेकिन तुम मेरे पास नहीं आती हो। तुम्हारे रंग-बिरंगे पंख सोने से भी अधिक चमकीले हैं। तुम अपनी इस सुंदरता को किसे दिखाती हो? कलियों के साथ खेलते हुए तुम कितना सुख पाती हो? दिन में तो तुम दिखाई देती हो पर रात को कहाँ चली जाती हो? एक डाल से दूसरी डाल पर बैठ बड़े प्रेम से शहद पीती हो और कलियों को तरसाती हो। प्यारी तितली, कभी-कभार मेरे पास आ जाया करो। मैं तुम्हें बड़े प्रेम से रखूँगा।

पाठ में निहित जीवन-मूल्य

इस कविता से प्रकृति के प्रति प्रेमभाव पनपता है।

पाठ का वाचन

अध्यापक/अध्यापिका स्वयं दो-तीन बार कविता पढ़ें। बच्चे आपके साथ दो बार कविता पढ़ें। अब बच्चे स्वयं ऊँचे स्वर में गाकर पढ़ें।

महत्वपूर्ण चर्चा

बच्चों से प्रश्न पूछें –

- तितलियाँ किसे-किसे पसंद हैं?
- तितलियों को पकड़ना चाहिए या नहीं?
- यदि पकड़ना चाहिए तो क्यों?
- उपवन में तितलियाँ नहीं होंगी तो उपवन कैसा लगेगा?
- अपनी सुंदरता के अलावा तितलियाँ फूलों की क्या सहायता करती हैं? (परागकण बिखेरने का)